(च) क्या विधवा के स्वर्गीय पति के नाम पर निकाली गई राशि को अब विधवा के परिवार के खाते में जमा किया जाएगा ?

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री दलबीर सिंह) : (क) से (च) सूचना एकत्र की जा रही है और सभा पटल पर रख दी जाएगी ।

Implementation of transfer orders regarding bank staff

346. DR. BAPU KALDATE:

SHRI MOHINDER SINGH LATHER:

Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) what is the number of status-quo orders relating to transfer of staff received by the Branches of Associate Banks of the State Bank of India situated at Chandni Chowk, Delhi, issued by the Assistant Labour Commissioner (Central), Dalhousie Road, New Delhi during 1st June, 1985 to 15th June, 1985 with details, bankwise and branch-wise;

(b) whether these status-quo orders were implemented; if not, the reasons therefor stating the action taken by Government against Bank Management for non-compliance the status-quo orders;

(c) whether it is a fact that transfer orders were effected even after receiving the status-quo orders issued by the Assistant Labour Commissioner; and

(d) if so, what action has been taken by Government in the matter ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI DALBIR SINGH): (a) to (d) The information is being collected and will be laid on the Table of the House.

हरिजनों पर अत्याचार

347. **श्री राम सिंह राठवा** : क्या **कल्याण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि हरिजनों एवं आदिवासियों पर अत्याचार बढ़ रहे हैं ;

(ख) यदि हां, तो उसके मुख्य कारण क्या हैं ;

(ग) वर्षवार एवं राज्यवार उन स्थानों के नाम क्या हैं जहां पिछले तीन वर्षों के दौरान ऐसी घटनायें हुई हैं तथा इन घटनाओं में मारे गए तथा घायल हुए व्यक्तियों की संख्या क्या है ; और

(घ) हरिजनों तथा आदिवासियों की सुरक्षा के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए जा रहे हैं ?

कल्याण मंत्री (श्री सीताराम केसरी) : (क) और (ख) पिछले तीन वर्षों के दौरान देश में अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जनजातियों पर हुए अत्याचारों की कुल संख्या नीचे दी गई है :—

वर्ष	अनुसूचित जातियों	अनुसूचित जनजातियों
	के विरुद्ध	अपराध
1988	15,207	3,364
1989	15,799	3,623
1990	16,810	3,572

अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जनजातियों पर अत्याचार करने के कारण अनेक रहे हैं, जैसे-भूमि विवाद, कानूनी न्यूनतम मजदूरी की मांग, बंधवा मजदूर अथवा जबरन मजदूरी प्रथा प्रतिरोध, अस्पृश्यता की प्रथा का विरोध, शिक्षा के माध्यम से उत्पन्न जागरूकता के कारण समान अधिकारों के दावे, अपनी महिलाओं के सम्मान की रक्षा के प्रयास आदि ।